GOVERNMENT GIRLS COLLEGE, CHOMU (JAIPUR)

Best Practice 1

Women Empowerment

Objectives of the practice:

"Women empowerment is intertwined with the respect for human rights". The empowered women are powerful beyond measures and beautiful beyond description. The college works to promote gender sensitivity in the college and conduct diverse programmes to educate sensitise both male and female members and produces harmonious atmosphere on the campus.

The College has entered 23rd year of its inception. During the entire period, the college has been continuously boosting the status of women through education, training and creating awareness. The biggest objective of imparting education is that every girl child should hold a position in society either by getting a job or by becoming self-reliant.

The college follows the calendar set by the Commissionarate of College Education, Government of Rajasthan and syllabi prescribed by the university to which it is affiliated.

Context

As this is an institution for girls, women constitute the total strength and majority of students who come from nearby villages, hamlets etc. with limited available transportation facility. To provide education to these rural students is the motto of the institution. Thus, by educating these women, the institution enables them to respond to the challenges, to confront their traditional roles and change their life for betterment.

The Practice

The institution is a post graduate college in science faculty within (Chemistry) as well as in Arts faculty (Political Science and Hindi Literature). The college presently offers UG programmes in all three faculties viz. Science, Arts and Commerce. The college has organised several productive programmes for developing skills among students as well as faculties. Various online workshops and practical trainings were conducted by the Home Science department. Some of them follow this:

1. Textile dyeing and printing workshop
2. Practical training of fresh and dry flowers arrangements
3. Faculty Development Programmes

Evidence of success

The students of the college have participated in different district and state-level online competitions in debate, essays etc. The former students of the college are placed in various positions. The list of the successful college alumni is ever lasting be in education, social service or entrepreneurship.

गृह विज्ञान शिक्षकों में अपूर्व कौशल एवं क्षमताएं, पहचानने व साबित करने की आवश्यकता - प्रोफेसर नीरू शर्मा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चोमू। राजकीय कन्या महाविद्यालय में गृह विज्ञान विषय के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम न्यू पैराडाइम्स इन टीचिंग एंड लर्निंग एक्सीलेंस इन होम साइंस के छः दिवसीय कार्यक्रम के तीसरे दिन रोचक तथा इंटरएक्टिव तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया । प्रथम सत्र में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा (गुजरात) की प्रोफेसर अंजलि करोलिया ने नई शिक्षा नीति और सस्टेनेबिलिटी के लक्ष्यों के संबंध को स्पष्ट किया । उन्होंने बताया की नई शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यक्रम में इस प्रकार के परिवर्तन किए जा रहे हैं जिससे सभी विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकेंगे और उनके समक्ष रोजगार के अनेकानेक अवसर उपलब्ध होंगे । द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नीरू शर्मा ने अत्यंत प्रेरणादायक व्याख्यान के माध्यम से गृह विज्ञान विषय में शोध की अपरंपार संभावनाओं पर चर्चा की । उन्होंने यह स्पष्ट किया कि गृह विज्ञान विषय विद्यार्थियों को इतने कौशलों में पारंगत कर देता है कि उन्हें नौकरी पाने का इंतजार नहीं करना पड़ता बल्कि वे स्वयं अपने उद्योग प्रारंभ करके दूसरे लोगों को रोजगार देने में सक्षम बन जाते हैं । अंतिम सत्र में वनस्थली विद्यापीठ की प्रोफेसर इंदु बंसल ने डेटा एनालिसिस तथा डेटा इंटरप्रिटेशन को विस्तार पूर्वक समझाया ।

राजस्थान
जयपुर, मंगलवार, 3 नवम्बर 2020

गृह विज्ञान विषय के ऑनलाइन फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

मरूधर भारती मीडिया

चौमूं। मोरीजा रोड़ स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में गृह विज्ञान विषय के छह दिवसीय ऑनलाइन शॉर्ट टर्म फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के चैयरपर्सन आयुक्त, कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान संदेश नायक, कोचेयर पर्सन अतिरिक्त आयुक्त, कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान बीएल गोयल थे। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफ़ेसर गोविंद नारायण घसिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। आयुक्तालय इनोवेशन सेल प्रभारी डॉ विनोद भारद्वाज ने आयुक्तालय द्वारा ज्ञान गंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जारी गतिविधियों

के बारे में जानकारी दी। समन्वयक डॉ मीनाक्षी जैन ने कार्यशाला की रूपरेखा का प्रस्तुतीकरण किया। गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ कविता गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर शाहिना परवीन ने किया। कार्यक्रम में डॉक्टर तौफीक हुसैनए डॉ हंसा लूनायच तथा डॉ सुमन ढाका ने भी सहयोग दिया। तकनीकी सत्र में सर्वप्रथम लुधियाना की प्रोफेसर जतिंदर कौर गुलाटी ने पॉजिटिव यूथ डेवलपमेंट के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर सुनंदा खन्ना (आगरा) ने गृह विज्ञान विषय के व्यवसायिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा डॉ गीता (दिल्ली) ने पारंपरिक भोज्य पदार्थों व खाद्य शैलियों संबंधी जानकारी प्रदान की। कार्यशाला आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान तथा राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौंमू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का विषय श्न्यू पैराडाइम्स इन टीचिंग एंड लर्निंग एक्सीलेंस इन होम साइंसश् है।

उद्यमिता तथा स्वरोजगार के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भर बनाने में गृह विज्ञान विषय की महत्वपूर्ण भूमिका

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चौमू। राजकीय कन्या महाविद्यालय में गृह विज्ञान विषय में चल रहे ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम -न्यू पैराडाइम्स इन टीचिंग एंड लर्निंग एक्सीलेंस इन होम साइंस की संयोजक डॉ मीनाक्षी जैन ने बताया कि कार्यक्रम के चौथे दिन चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विश्वविद्यालय हिसार की प्रोफेसर सुषमा कौशिक ने शिक्षकों में कम्युनिकेशन तथा मोटिवेशनल स्किल को छात्रों के व्यक्तित्व विकास तथा जीवन कौशल के लिए महत्वपूर्ण बताया। द्वितीय सत्र में पंतनगर की डॉक्टर रितु सिंह ने एक सफल उद्यमी की विशेषताओं का वर्णन करते हुए अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन में स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों को विस्तारपूर्वक समझाया। साथ ही उन्होंने अर्ली चाइल्डहुड केयर सेंटर प्रारंभ करने के विभिन्न चरणों को भी स्पष्ट किया। पंतनगर की ही प्रोफेसर मनीषा गहलोत ने वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाओं, अवसरों, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और मार्केटिंग के ऊपर प्रकाश डालते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय, पंतनगर में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी, जिसके अंतर्गत छात्राओं ने हैंप तथा नेटल फाइबर को प्राकृतिक रंगों से डाई कर विभिन्न परिधान एवं घरेलू साज-सज्जा संबंधी सस्टेनेबल तथा इको फ्रेंडली उत्पादों का निर्माण कर उनके पेटेंट भी प्राप्त किए हैं। अंतिम तकनीकी सत्र में बीकानेर की प्रोफेसर दीपाली धवन ने गृह विज्ञान विषय के अध्ययन के पश्चात उपलब्ध अनेकानेक रोजगार संबंधी अवसरों पर चर्चा की।

उन्होंने स्वरोजगार एवं उद्यमिता विकास के विभिन्न आयामों और क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जो गृह विज्ञान विषय के विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार कैरियर का चयन करने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में डॉ कविता गौतम, डॉ अनुपमा जोहरी, डॉ तौफीक हुसैन, डॉ हंसा लूनायच तथा डॉ शाहिना परवीन ने सहयोग दिया।

दैनिक भास्कर
जयपुर जिला चौमू 05-11-2020

गृह विज्ञान शिक्षकों में अपूर्व कौशल व क्षमताएं, पहचानने की आवश्यकता

कार्यालय संवाददाता | चौमू

शहर के राजकीय कन्या महाविद्यालय में गृह विज्ञान विषय के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम न्यू पैराडाइम इन टीचिंग एंड लर्निंग एक्सीलेंस इन होम साइंस के छह दिवसीय कार्यक्रम के तीसरे दिन रोचक तथा इंटरएक्टिव तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया ।प्रथम सत्र में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात की प्रोफेसर अंजलि कारोलिया ने नई शिक्षा नीति और सस्टेनेबिलिटी के लक्ष्यों के संबंध को स्पष्ट किया।

द्वितीय सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नीरू शर्मा ने अत्यंत प्रेरणादायक व्याख्यान के माध्यम से गृह विज्ञान विषय में शोध की अपरंपार संभावनाओं पर चर्चा की। अंतिम सत्र में वनस्थली विद्यापीठ की प्रोफेसर इंदु बंसल ने डेटा एनालिसिस तथा डेटा इन्टरप्रिटेशन को विस्तार पूर्वक समझाया।

प्रोफेसर बंसल ने गृह विज्ञान विषय के संदर्भ में सर्वे के प्रकार, क्वालिटेटिव तथा क्वांटिटेटिव डेटा, डेटा प्रेजेंटेशन के विभिन्न प्रकार तथा इससे संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में डॉ. अनुपमा जोहरी, मीनाक्षी जैन, डॉ. तौफीक हुसैन, डॉ. हंसा लूनायच, डॉ .सुमन ढाका तथा डॉ .शाहिना परवीन ने सहयोग दिया ।

List of our achievers

S.N.	NAME	WORK POSITION
1	Dr. Renee Sain	working as Assistant Professor at Jawahar Lal Nehru University, Delhi.
2	Ms. Shashikala Gora	Working as Assistant Professor in ABST at Govt. College, Kaladera
3	Ms. Pratibha Sharma	Working as Assistant Professor Commerce in Govt. College, Kaladera
4	Neha Sharma	1st Grade Teacher in Govt. School
5	Shiva sharma	1st Grade Teacher in Govt. School
6	Neha Sharma	working in Finance Company (.K.K. Finance Company)
7	Megha Sharma	Running Mahamaya Textile Enterprises
8	Dr. Vandana Sharma	Working as a lecturer- guest Faculty
9	Dr Sampatti Gupta	Junior Accountant JVVNL
10	Ms. Nimita Agarwal	Junior Accountant JVVNL, Jaipur
11	Rinku Thawariya	Junior Accountant JVVNL, Jaipur
12	Monika Agarwal	Branch Manager Syndicate Bank , Tonk
13	Dharma Jat	Running her own gym.
14	Ms. Sangeeta Sharma	Running her own school
15	Archana Kumawat	Ex Chairperson Nagar Palika, Chomu
16	Ms. Neeli Sharma	Running her own Beauty Parlour at Mehrili, Sikar
17	Ms. Varsa Soni	Assist. Section office in Ministry of Finance
18	Jyoti Agarwal	Running her own Dance Classes
19	Antima Rawat	Working in Barala Hospital Chomu Financial Management
20	Vandana Dixit	Working in K R Hospital Chomu as Feedback receiver HR Assistant

Problems Encountered and Resources Required

- Social and economic barriers.
- Patriarchal mental setup of society.
- Limited access to educational resources especially for girls.
- Required special financial support for girls' colleges.

Best Practice 2

ENVIRONMENT CONSERVATION

Objectives of the practice

Growing population and technological advancement are continuously putting a strain on natural resources. Rural area where 70% of Indian population reside and directly dependent upon natural resources, students should be aware of their responsibilities towards making environment clean and green. Conservation of natural resources and promotion of environment cannot be done without involving the student in planning and training for promoting the value for conservation and promotion of environment.

The Context

The history of Rajasthan is blessed with women contribution to the environment conversation and their successful sacrifices. In 1730 AD, a small village located 26 km south-east of Jodhpur in Rajasthan witnessed probably the first and most fierce environment protection movement in the history of the country. Amrita Devi of Khejarli village and her three young daughters laid down their lives to protect the sacred trees. Similarly, women have made great contributions for conservation of environment in Chipko movement. Now-a-days Medha Patkar a social worker, Menka Gandhi an environmentalist and politician are playing key role for conservation and promotion of environment.

In global scenario, the biggest in environmental history is the Green Belt Movement. The Nobel prize winner Wangari Maathai founded this movement on the environment day in June 1977. The institution, as it is a college for women, has been encouraging plantation and practice of maintaining them among students. It aims to bring environment restoration along with beautification as well as good climate for us.

The practice

Students have contributed to protect and conserve environment in many ways:

- Students have been motivated to keep the environment of their houses healthy by growing plants such as medicinal, ornamental and vegetable plants which can be easily grown. This practice inculcated the hobby of gardening among them.

- Garbage boxes are kept in the college premises by the municipal corporation. Students have been encouraged to keep their houses and locality clean.
- Students have been inspired to pursue following habits and practice:

1. Not to spoil and harm the plants/tree during their visits to garden and public areas.
2. To love and respect the nature.
3. Keep the things in tidy manner in parks, college, gardens, public places etc.

Evidence of success

Government Girls College, Chomu is committed towards environmental consciousness and protection through the core values and its vision. The institution makes all possible efforts to make the premises green and eco-friendly. To spread the awareness and make the campus green, the institution has organised many activities like regular plantation drive poster competition, social campaigns, field visits, workshops and seminars.

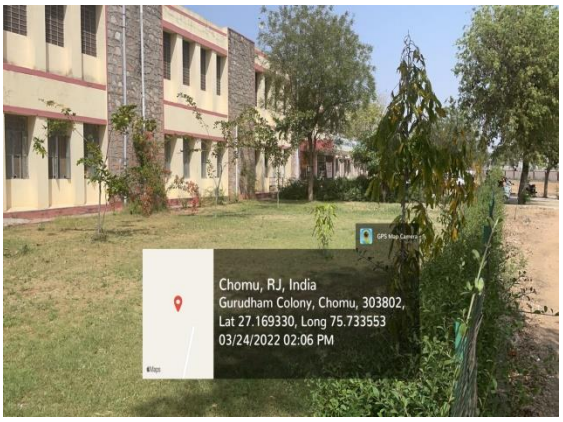

The institution has environmental friendly campus with a well-maintained garden and a number of trees of environmental and medicinal importance. The institution is committed to raise the level of environmental consciousness among students and inspire them to conserve and protect the environment through its curriculum and regular extension activities. The NSS units of the institution have played an active role in promoting environmental conservation among society in general. A cleaning drive has also been carried out by NSS volunteers, Ranger units from time to time. *"Swacchta Pakhwada"* has been organised from 02 October to 17 October 2020 by the college during which all students and staff members have contributed to clean the campus.

Govt. Girls PG college is located on NH-11, 33 kms far from Jaipur in Chomu, is about 5.01 hectare. Large area of college is not constructed; vacant land is planted with the help of forest department. Those

A new garden has been developed and maintained in the front of college-building. The tree plantation drive was initiated in the campus and nearby areas by NSS volunteers, Rangers and through Aanandam programme. During this plantation drive, the college organized plantation programmes on the 15th August 2020, the Independence day; on the 20th August 2020 with the Judiciary Officers; on the 31st August 2020 by the Sub Divisional Magistrate and NSS units and staff members. The trees and plants which can be grown in minimum water resources, have been planted in the campus. Trees, shrubs,

climbers, herbs and seasonal flowers are planted in the botanical garden which assist the students in their study. Medicinal plants like Aloe Vera, Azadirachta indica Tyiophora and Osmium sanctum etc, also maintained in the campus.

Non-toxic chemicals are included in institution's practical curriculum. Most of the waste generated is water-soluble and ultimately disposed through normal sewage system, diluted largely so bio magnifications is negligent. Dust bins are placed all over the campus to inculcate the habit of cleanliness among students. LED lights are being used in the campus to save electricity. The solar energy plant is to be installed soon in the campus.

NSS students play major role in awareness of plantation and cleaning the college environment. They make program through NSS for teaching villagers how to keep houses and surrounding areas clean and its benefits to avoid all harmful effects.

Problems Encountered and Resources Required

- This college situated in arid and high temperature zone hence confronting the scarcity of water and low level of ground water.
- Regular power cuts and dearth of electricity production.
- The ground water contains high concentration of fluoride.